

अस्तमयन (wie eben) n. dass. ÇAT. Br. 13, 8, 2, 9.

अस्तमीकै adv. *daheim, nahe* NAIGH. 2, 16. सचस्व नः पराक आ सचस्वास्तमीक आ RV. 1, 129, 9. — loc. von अस्तमीक und dieses von अस्तम् und अश्च wie समीक; vgl. auch अन्क, अपाक, अभीक, प्रतीक.

अस्तूर (von 2. अस्) m. *Schleuderer, Schütze*: प्रौभिस्तुभिः RV. 1, 8, 4. अस्तूर इधं दधिरे गभस्त्योः 64, 10. मा त्वं विद्विषुमान्वीरो अस्ता 2, 42, 2. कृशानोरस्तूरसनाम् 1, 133, 2. तमस्ता विद्या शवा शिशानः 10, 87, 6. 1, 61, 7. 4, 4, 1. 27, 3. 31, 13. 8, 82, 1. 88, 2. 9, 77, 1. 10, 64, 8. 103, 3. AV. 6, 93, 1. 2. 11, 2, 7. 19, 34, 3. अपादस्ता ÇAT. Br. 1, 7, 4, 1. 3, 3, 4, 10.

अस्तरण (आस्तरण?) gaṇa व्युष्टादि zu P. 5, 1, 97.

अस्तर्त्तण n. = अस्तूण H. 1479.

1. अस्ता adv. = अस्तम् SV. I, 5, 2, 3, 3 (v. l. zu RV. 1, 130, 1).

2. अस्ता (von 2. अस्) f. (sc. इधु oder हेति) *Wurfgeschoss, Pfeil*: इन्द्रस्तं हेतु मक्ता वधेनाग्निर्विध्यवस्त्यो AV. 5, 31, 12. 12, 2, 47. Vgl. ÇAT. Br. 3, 7, 2, 2.

अस्ताग m. N. pr. der 15te Arhant der vergangenen Utsarpiṇi H. 52. — Eine Variante von अस्ताय, wie man aus der Erklärung des Sch. ersieht.

अस्ताय adj. *überaus tief* H. 1070. — Vgl. अस्ताग, अस्याग, अस्याध.

1. अस्ति 3. sg. praes. von 1. अस् (s. d.).

2. अस्ति (nom. act. von 1. अस्) f. N. pr. Schwester der Prāpti, Tochter Garāsaṃdhas und Gemahlin Kaṃsa's MBh. 2, 535. LIA. I, 624. VP. 563 (अस्ती und प्राप्ती). — Vgl. स्वस्ति.

अस्तिकाय (1. अस्ति + काय) m. *Kategorie* COLEBR. Misc. Ess. I, 385.

अस्तिनीर (1. अस्ति + नीर) adj. f. आ *Milch habend* gaṇa चादि, N. 10. P. 2, 2, 24. Vārtt. 9. गौः SIDDH. K. ब्राह्मणी H. 1541, Sch.

अस्तिव (von 1. अस्ति) n. das *Dasein*: सर्वो ह्यात्मास्तिवं प्रत्येति न नाहमस्मीति ÇAMK. in WIND. Sancara 93: संभावनमस्तिवाध्यवसायः P. 6, 2, 21, Sch.

अस्तिप्रवाद (1. अस्ति + प्र) n. Titel des 4ten der 14 Pūrva oder ältesten Schriften der Ġaina H. 247.

अस्तिमत् (von 1. अस्ति) adj. *der Etwas hat, wohlhabend* H. 477.

अस्तुकार् adj. *wirksam*, von einer Arzenei (?) P. 6, 3, 70, Vārtt. 1. — Zusammeng. aus अस्तुम्, adv. acc. von अस्तु (3. sg. imperat. von 1. अस्), und कार्, also eig. *bewirkend, dass erfolge, was der Arzt verheißt*.

अस्तुत (3. अ + त्तुत) adj. 1) *ungelobt, nicht lobenswerth* RV. 5, 61, 8. — 2) *nicht gebetet, nicht aufgesagt*: प्रगाथो AIT. Br. 3, 17.

अस्तुत oder अस्तुर्त्त (3. अ + त्तुत) adj. *unüberwunden, unüberwindlich, unvertilgbar, unverwüstlich*: वृन्वन्नवातो अस्तुतः RV. 6, 16, 20. अ-परजितमस्तुतमषाञ्जम् 10, 48, 11. त्सरेन्द्रध्वमस्तुतम् 8, 1, 11. सव्यम् 1, 13, 5. 4, 4. 41, 6. 8, 82, 9. 9, 9, 5. 27, 4. SV. II, 5, 2, 2, 8. अस्तुर्त्त AV. 1, 20, 4. 5, 9, 7. किरणमस्तुतं भव ÂÇV. GRHJ. 1, 15. ÇAT. Br. 14, 9, 4, 26.

अस्तुतयञ्चन (अ + यञ्) adj. *unermüdlich oder unübertrefflich opfernd*: Agni RV. 8, 43, 1.

अस्त्य n. ein *Göttnam* NAIGH. 3, 4, v. l. für अस्त.

अस्त्यान n. *Geringschätzung, Tadel* TRIK. 3, 2, 28. — Scheinbar 3. अ + स्त्यान.

अस्त्रं (von 2. अस्) n. Uṇ. 4, 160 (अस्त्र). SIDDH. K. 249, b, 3. *Wurf-Waffe, Geschoss, Pfeil*; auch *Bogen*: अदित्य दयामस्त्रं विनाशयतु AV. 11, 10, 16. धनुर्गृहीत्वैपनिषदं मक्तास्त्रं शरं क्षुपासानिशितं संधीयत MUND. Up. 2, 2, 3. अस्त्राणि — मुनोच Viçv. 4, 23. अस्त्रमुपसंहरन् ÇAMK. 94, 20. अस्त्रापसं-हारमन्त्र Verz. d. B. H. No. 909. अस्त्रं शरं धिं पुनस्ते — प्रविष्टम् VIKR. 18. प्रयुक्तमप्यस्त्रम् RAGH. 2, 34. प्रकृतास्त्रवृष्टिभिः 3, 58. तस्मिन्नास्थदी-षिकास्त्रम् 12, 23. प्रत्याकृतास्त्र adj. 2, 41. महेन्द्रास्त्रप्रचोदितैः — शरवर्षैः ARG. 8, 2. गाण्डीवास्त्रप्रनुनास्तांगतामून् MBh. 3, 12253. इषस्त्रमेषां (लक्षि-याणां) देवत्वम् 17337. अशिततास्त्रं पितुरेव RAGH. 3, 31. अस्त्रशस्त्राणि R. 1, 23, 14. शस्त्रास्त्रभूतं तत्रस्य M. 10, 79. पुष्पाण्यस्येषुचापास्त्राणि H. 228. मुनोच तं दारुणमस्त्रबन्धम् R. 5, 44, 13. 15. अस्त्रग्राम H. 1414. अस्त्रभृत् R. 5, 43, 2. AK. 2, 8, 2, 62. अस्त्रविदू, अस्त्रमन्त्र RAGH. 3, 59. कृतास्त्र mit der *Wurf-Waffe* vertrant MBh. 3, 228. 14833. R. 3, 4, 28. कृतास्त्रता MBh. 1, 5156. — *Waffe* AK. 2, 8, 2, 50. 3, 4, 4, 28. H. 773. an. 2, 394. MED. r. 5. *Bogen* H. 775. an. MED. *Schwert* (कर्वाल) MED. तत्र मुक्तमस्त्रमुच्यते ऽमुक्तं शस्त्रमित्युच्यते MADHUS. in Ind. St. 1, 21, 18.

अस्त्रकाण्ड (अ + क) m. *Pfeil* TRIK. 2, 8, 52. H. c. 142. Hār. 33. — Vgl. अस्त्रकाण्ड.

अस्त्रजित् (अ + जित्) n. N. einer Pflanze (कवाटवक्र, vulg. कवाटवटु) RATNAM. im ÇKDr. Auch अस्त्रजित्.

अस्त्रमार्ज (अ + मार्ज) m. *Schwertfeger* ÇABDAR. im ÇKDr.

अस्त्रसायक (अ + सा) m. *eiserner Pfeil* H. c. 142. ÇABDAM. im ÇKDr.

अस्त्रिन् (von अस्त्र) adj. subst. mit einer *Wurf-Waffe* kämpfend, *Bogen-schütz* AK. 2, 8, 2, 37.

अस्त्री (3. अ + स्त्री) f. *Nichtweib*: सो ऽहं न स्त्री न चाप्यस्त्री न पुमा-न्नायमानपि MBh. 2, 1694. gramm. masculinum und neutrum, das männliche und neutrale Geschlecht AK. 2, 9, 50. 51. 2, 4, 1, 12.

अस्त्रिणी (3. अ + स्त्रिणी) adj. ohne *Weiber*: अस्त्रिणाः सन्तु पाण्डगाः AV. 8, 6, 16.

अस्थ = अस्थि *Knochen* am Ende einiger comp.: न क्षूर्वस्थ्यैत्किं चन वर्षो यो ऽस्थ्यस्ति ÇAT. Br. 8, 7, 2, 17. — Vgl. अस्थ्य und पुरुषास्थ.

अस्थ्यन् und अस्थ्यि n. Uṇ. 3, 152. in der klass. Sprache vom ersten Thema: अस्थ्यो, अस्थ्यै, अस्थ्यैस्, अस्थ्यैनि oder अस्थ्यि, अस्थ्यैस्, अस्थ्यैम्, die übrigen cass. von अस्थ्यि; im Veda vom ersten Thema überdies: loc. अस्थ्यैन्, अस्थ्यैनि (अस्थ्यान्युत्कृत्य जुहोति P. 7, 1, 76, Sch.), अस्थ्यैभिस्, अस्थ्यैभ्यस् (AV. 2, 33, 6 ist für अस्थ्यैभ्यस् vielleicht अस्थ्यैभ्यस् zu lesen, da jene Form proparox. sein müsste) P. 7, 1, 75. 76. Vop. 3, 95. 1) *Bein, Knochen* AK. 2, 6, 2, 19. H. 619. 625. देवानामस्थि कृशं न बभूव AV. 4, 10, 7. अस्थ्य-स्तुतस्य 12, 1. RV. 1, 84, 13. VS. 23, 44. समस्थ्यापि रोक्तु AV. 4, 12, 3. 4. 10, 9, 18. 11, 8, 11. 29. 12, 5, 70. VS. 18, 3. अस्त्राणि ह्यस्थ्यैनि बाह्यानि मोसानि ÇAT. Br. 9, 2, 2, 46. अस्थ्य-य एवास्य स्वधास्त्रवत् 12, 7, 1, 9. 1, 2, 3, 8. 10, 1, 1, 3. 13, 4, 4, 9. KĀTJ. Çr. 25, 8, 1. 3. 13, 28. 36. 43. ÂÇV. GRHJ. 4, 5. KĀND. Up. 2, 19, 1. BṚH. ÂR. Up. 1, 1, 1. M. 3, 182. 4, 78. 221. 5, 59. 68. 87. 121. 6, 76. 8, 250. 284. SUCR. 1, 300, 6. 16. PANKAT. 32, 2. HIT. 1, 41. 20, 15. Gebein R. 1, 1, 63. 4, 9, 88. शरीरास्थि Skelet AK. 2, 6, 2, 20. ग्रीवा पञ्चदशस्थिः JĀGŪ. 3, 88. मथितार्थास्थिवन्धन adj. R. 5, 42, 20. अस्थिसंक्षय = स्मशान KARKA zu KĀTJ. Çr. 25, 8, 2. अस्थिवर्षणा SHADY. Ba. in Ind. St. 1, 40, 4 v. u. अस्थिसार 2, 286, 8. und so immer अस्थि am Anf. eines comp.